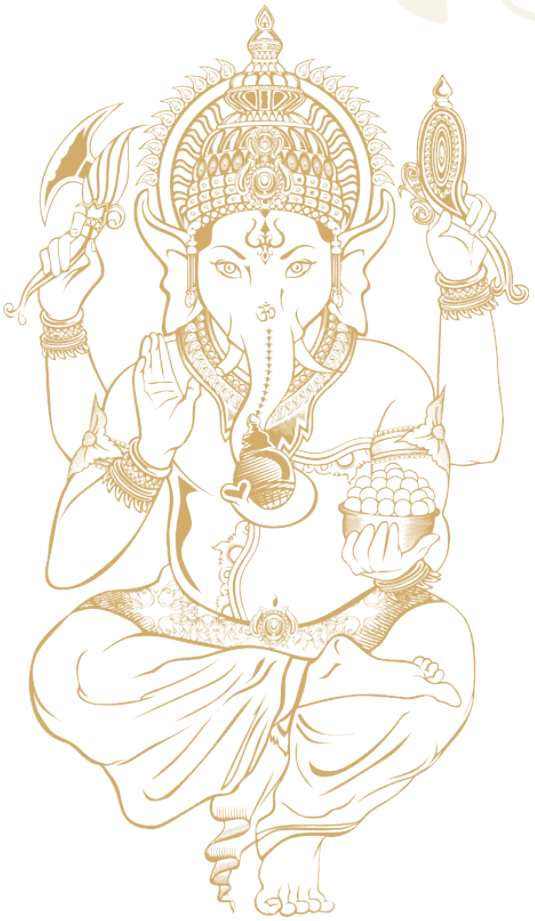

Mr.

10 Sep 2008

02:15 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121723916

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/09/2008**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:15:00 घंटे**
इष्ट	20:28:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	13:12:54 घंटे
सूर्योदय	06:03:44 घंटे
सूर्यास्त	18:31:48 घंटे
दिनमान	12:28:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:02:02 सिंह
लग्न के अंश	10:12:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:12:42	338:23:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			सिंह	24:02:02	00:58:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			धनु	24:31:02	12:07:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	20:10:34	00:39:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	20:47:10	00:59:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			धनु	18:33:33	00:00:25	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	19:11:46	01:13:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	18:43:41	00:07:32	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु			मक	24:17:54	00:01:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	24:17:54	00:01:44	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	26:48:06	00:02:24	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		मक	28:11:25	00:01:26	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	04:30:52	00:00:02	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	25:45:48	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:55

लग्न-चलित

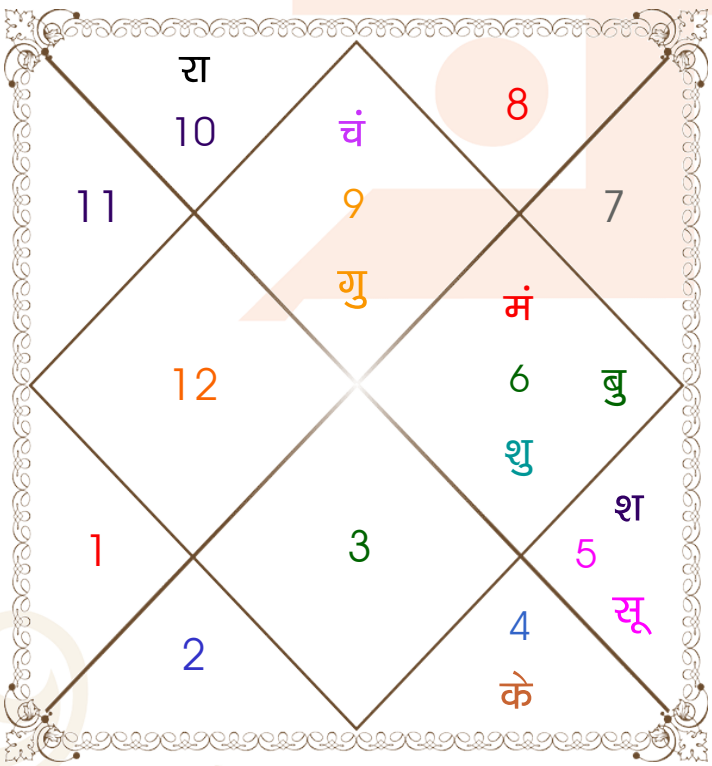

चन्द्र कुंडली

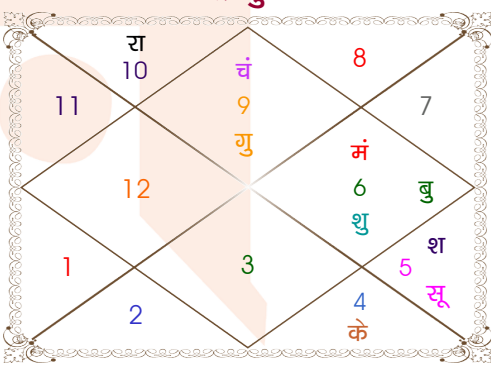

नवमांश कुंडली

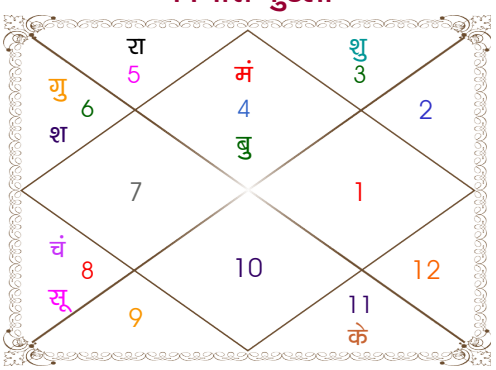

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 2 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/09/2008		02/12/2011		01/12/2017		02/12/2027		01/12/2034	
02/12/2011		01/12/2017		02/12/2027		01/12/2034		01/12/2052	
	00/00/0000	सूर्य	20/03/2012	चंद्र	02/10/2018	मंगल	29/04/2028	राहु	14/08/2037
	00/00/0000	चंद्र	19/09/2012	मंगल	03/05/2019	राहु	17/05/2029	गुरु	07/01/2040
	00/00/0000	मंगल	25/01/2013	राहु	31/10/2020	गुरु	23/04/2030	शनि	13/11/2042
	00/00/0000	राहु	19/12/2013	गुरु	02/03/2022	शनि	02/06/2031	बुध	02/06/2045
	00/00/0000	गुरु	08/10/2014	शनि	02/10/2023	बुध	29/05/2032	केतु	20/06/2046
	00/00/0000	शनि	20/09/2015	बुध	02/03/2025	केतु	25/10/2032	शुक्र	20/06/2049
	10/09/2008	बुध	26/07/2016	केतु	01/10/2025	शुक्र	26/12/2033	सूर्य	15/05/2050
बुध	02/10/2010	केतु	01/12/2016	शुक्र	02/06/2027	सूर्य	02/05/2034	चंद्र	13/11/2051
केतु	02/12/2011	शुक्र	01/12/2017	सूर्य	02/12/2027	चंद्र	01/12/2034	मंगल	01/12/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/12/2052		01/12/2068		02/12/2087		02/12/2104		03/12/2111	
01/12/2068		02/12/2087		02/12/2104		03/12/2111		00/00/0000	
गुरु	19/01/2055	शनि	05/12/2071	बुध	29/04/2090	केतु	30/04/2105	शुक्र	03/04/2115
शनि	01/08/2057	बुध	14/08/2074	केतु	27/04/2091	शुक्र	30/06/2106	सूर्य	02/04/2116
बुध	07/11/2059	केतु	23/09/2075	शुक्र	24/02/2094	सूर्य	05/11/2106	चंद्र	02/12/2117
केतु	13/10/2060	शुक्र	22/11/2078	सूर्य	01/01/2095	चंद्र	06/06/2107	मंगल	01/02/2119
शुक्र	14/06/2063	सूर्य	04/11/2079	चंद्र	01/06/2096	मंगल	02/11/2107	राहु	01/02/2122
सूर्य	01/04/2064	चंद्र	05/06/2081	मंगल	29/05/2097	राहु	20/11/2108	गुरु	02/10/2124
चंद्र	01/08/2065	मंगल	14/07/2082	राहु	17/12/2099	गुरु	27/10/2109	शनि	03/12/2127
मंगल	08/07/2066	राहु	20/05/2085	गुरु	25/03/2102	शनि	05/12/2110	बुध	11/09/2128
राहु	01/12/2068	गुरु	02/12/2087	शनि	02/12/2104	बुध	03/12/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।